बर्षः- 05
अंकः- 332
मुरादाबाद
(Saturday)
28 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

रामनवमी पर झूमी अयोध्याः साधु-संतों ने की पुष्पवर्षा, गूंजे बधाई गीत;लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई डुबकी

रामनवमी पर अयोध्या में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह 9 बजे तक 10 लाख से अधिक ने सरयू में डुबकी लगाई। इस मौके पर शहर भर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। भगवान श्रीराम के जन्म होते ही साधु संतों ने पुष्पवर्षा की। बधाई गीत गाए।यूपी के अयोध्या में शुक्रवार को रामनवमी पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह 9 बजे तक करीब 10 श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान कर लिया। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस वर्ष पिछले साल से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है।

प्रशासन ने पहले से ही पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की है। सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी ग्राउंड जीरो पर मौजूद रहे। कमिश्नर राजेश कुमार, डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। उधर, रामलला के जन्म के शुभ अवसर पर भए प्रकट कृपाला दीनदयाला की स्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कनक भवन और हनुमानगढ़ी में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और नाचते नजर आए।रामभक्तों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट ली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा।रामभक्तों ने पूरे उत्साह और हर्ष के साथ अपने रामलला का जन्मोत्सव मनाया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट बदली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा।साधु-संतों ने की पुष्पवर्षा, गूंजे बधाई गीत- भगवान श्रीराम के जन्म होते ही पूरे अयोध्या में भक्ति और उल्लास का वातावरण छा गया। इस दौरान साधु-संतों ने राम पथ से राम जन्मभूमि पथ होते हुए श्रीराम मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। जगह-जगह संतों द्वारा बधाई गीत गाए गए। इससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे और इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेते नजर आए। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और आयोजन भी किए गए।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार, एक-दो दिन में अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी

वरिष्ठ डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है और उनकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। सूत्रों ने बताया कि एहतियात के तौर पर उन्हें कुछ समय के लिए निगरानी में रखा जा सकता है।वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। उनके डॉक्टरों ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी।79 वर्षीय नेता को 25 मार्च रात करीब 10:22 बजे बुखार आने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी अब काफी बेहतर हैं और सहज महसूस कर रही हैं। वे चल-फिर रही हैं और उन्होंने नाश्ता भी किया है।उनकी प्रगति सुचारू है और जल्द ही उन्हें छुट्टी मिलने की उम्मीद है। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें सिस्टेमिक इन्फेक्शन का इलाज दिया जा रहा है। वह एंटीबायोटिक दवाओं पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं। उनकी हालत स्थिर है और गंभीर नहीं है, हालांकि एहतियात के तौर पर कुछ समय निगरानी में रहेंगी।

सीएम योगी का कन्या पूजनः पांव पखारकर मुख्यमंत्री ने कराया भोजन, दक्षिणा और उपहार दिए, लिया आशीष

बच्ची ने जब सीएम योगी को भेंट किया बुलडोजरः मुख्यमंत्री ने मासूम को किया दुलार, खिंचवाई फोटो

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मंदिर में नवमी पर कन्या पूजन किया। उन्होंने नौ कन्याओं का आशीर्वाद लिया और बटुक भैरव की पूजा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी हैं।मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मंदिर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कन्या पूजन किया गया। उन्होंने मां सिद्धिदात्री की पूजा की और नौ छोटी कन्याओं के पैर धोकर, उन्हें तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर और भोजन (प्रसाद) कराकर आशीर्वाद लिया, जो नारी शक्ति के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, मां दुर्गा के नौ दिनों के अनुष्ठान की पूर्णाहुति आज होगी। नवरात्रि की नवमी तिथि सभी प्रकार की सिद्धियों को प्रदान करने वाली, सुख और समृद्धि को लाने वाली, खुशहाली प्रदान करने वाली तिथि मैं इस अवसर पर प्रदेशवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देता हूं। उन सबके जीवन में मां की कृपा सदैव बनी रहे, उनके जीवन में खुशी और समृद्धि हो इसकी शुभकामनाएं मैं प्रदेशवासियों को देता हूं। नवमी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का पावन जन्म उत्सव भी रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम भारत के सनातन धर्म की परंपरा में भारतीय जीवन पद्धति के एक अत्यंत आदर्श के रूप में हर भारतीय के लिए सदैव प्रेरणा रहे हैं।चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की आराधना के बाद सीएम योगी, देवी स्वरूपा कन्याओं का पांव पखारकर उनका पूजन किया। उन्हें भोजन कराने के साथ दक्षिणा व उपहार प्रदान किया, कन्या पूजन के साथ उन्होंने बटुक भैरव का भी पूजन किया। कन्या पूजन का अनुष्ठान सुबह से शुरू हुआ। नवरात्र अनुष्ठान की पूर्णता के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामनवमी पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में दोपहर में श्रीराम जन्मोत्सव मनाएंगे।अष्टमी तिथि पर मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार रात गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में विधि विधान से मां महागौरी की पूजा अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार, हवन व आरती के साथ मुख्यमंत्री ने अनुष्ठान पूर्ण किया और मां आदिशक्ति जगतजननी से प्रदेशवासियों के मंगल की प्रार्थना की।चैत्र नवरात्र के पहले ही दिन से गोरखनाथ मंदिर में देवी आदिशक्ति भगवती के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना का क्रम जारी है। बुधवार को गोरखपुर आए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र की अष्टमी तिथि पर बृहस्पतिवार रात में मां महागौरी की विधि विधान से आराधना की। इसके बाद उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार अष्टमी का हवन किया। आरती व प्रसाद वितरण के साथ महाष्टमी की आराधना पूर्ण हुई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पांच वर्षीय यशस्विनी ने मुख्यमंत्री को खिलौने वाला बुलडोजर भेंट किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों को कुछ दबंगों द्वारा डराने, धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक में निर्देशित किया, 'गुंडागर्दी करने वालों को उठाकर बंद करो।' उन्होंने कहा कि किसी मुकदमे में यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो तो जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई की जाए। इस दौरान कानपुर की रहने वाली पांच वर्षीय यशस्विनी ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री को खिलौने वाला बुलडोजर दिया।मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब बच्ची से पूछा कि मुख्यमंत्री ने आपको क्या दिया तो बच्ची ने बताया कि सीएम ने उसे चॉकलेट दी है।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री को पीएम मोदी ने भेजा बधाई संदेश, कहा- संबंधों को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह को पद संभालने पर बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा जताई। 35 वर्षीय बालेन शाह, जो पहले रैपर थे, नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं।भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन को शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं।रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह ने शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने लगभग लगभग छह महीने बाद हुआ है। ओली सरकार को एक युवा पीढ़ी के विरोध प्रदर्शन में हटा दिया गया था।मोदी ने एक्स पर एक संदेश में कहा, नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर श्री बालेंद्र शाह को हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में जताए गए भरोसे को दर्शाती है। मैं हमारे दोनों देशों की जनता के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल की दोस्ती और सहयोग को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं। 35 वर्षीय राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। वह देश में यह पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। बालन मधेश क्षेत्र से शीर्ष कार्यकारी पद संभालने वाले पहले व्यक्ति भी हैं। उनका शपथ ग्रहण नेपाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

उत्पाद शुल्क कटौती पर सियासतः विपक्ष ने तेल की कीमतों और किल्लत की खबरों पर घेरा; सरकार बोली- PM की दूरदर्शिता

केंद्र सरकार ने जनता को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने इसे नाकाफी बताते हुए सरकार पर हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि कीमतों में कमी के बावजूद जमीनी स्तर पर तेल और गैस की भारी किल्लत से आम जनता अब भी बेहाल है।देश में बढ़ती महंगाई को देखते हुए सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ी कटौती की है। दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी कर दी है। सरकार के इस कदम को आम आदमी के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, सियासी गलियारों में इसे लेकर घमासान शुरू हो गया है। विपक्षी सांसदों ने इस फैसले को %चुनावी स्टंट% बताते हुए सरकार को आड़े हाथों लिया है।विधानसभा चुनावों को देखते हुए लिया गया फैसला- पवन खेड़ा- कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती केवल राज्य विधानसभा चुनावों को देखते हुए की गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि यह राहत वास्तविक नहीं बल्कि असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनता को गुमराह करने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि जब पिछले 12 वर्षों में वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें सात बार गिरीं, तब सरकार ने आम जनता को इसका लाभ नहीं दिया, बल्कि 21 बार टैक्स में बदलाव कर अपनी तिजोरी भरी।पवन खेड़ा ने तर्क दिया कि दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अब भी उतनी ही बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह कटौती केवल तेल कंपनियों के घाटे को कम करने के लिए है, न कि आम आदमी की जेब के लिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि 30 अप्रैल को चुनाव प्रक्रिया खत्म होते ही सरकार फिर से कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर सकती है, जैसा कि पूर्व में भी देखा गया है।

प्रचार की जरूरत क्या है-मनीष तिवारी - कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि राजस्व का असली मालिक जनता है। सरकार जो टैक्स वसूलती है, वह जनता की ही जेब से आता है। अगर सरकार आज उसी टैक्स में थोड़ी कटौती कर रही है, तो वह अपने खजाने से कुछ नहीं दे रही। यह जनता का ही पैसा है जो उन्हें वापस मिल रहा है, तो फिर इसका इतना ढोल पीटने की क्या आवश्यकता है?पेट्रोल पंपों पर ईंधन ही उपलब्ध नहीं- मीसा भारती- आरजेडी सांसद मीसा भारती ने इस कटौती को ऊंट के मुंह में जीरे जैसा बताया है। उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा कि भले ही कागजों पर कीमतें कम कर दी गई हों, लेकिन हकीकत यह है कि पेट्रोल पंपों पर ईंधन ही उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे एलपीजी हो या पेट्रोल-डीजल, हर जगह लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। किल्लत इतनी ज्यादा है कि आम आदमी का रोजमर्रा का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जब सामान मिलेगा ही नहीं, तो सस्ती कीमत का क्या फायदा? आपातकाल जैसे हालात- सागरिका घोष- तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने सरकार की नीयत पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों से सरकार देश को गुमराह कर रही थी कि तेल और गैस का पर्याप्त स्टॉक है। घोष ने कहा कि अब जब स्थिति बेकाबू हो गई और %आपातकाल% जैसे हालात बन गए, तब सरकार की नींद टूटी है। छोटे रेस्टोरेंट, मजदूर, छात्र और बुजुर्ग इस किल्लत से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। अगर सरकार ने समय रहते कदम उठाए होते, तो आज देश को यह दिन नहीं देखना पड़ता। बताते चलें कि सरकार इस फैसले को जहां मास्टरस्ट्रोक बता रही है, वहीं विपक्ष इसे %देर आए, पर दुरुस्त नहीं आए% वाली श्रेणी में रख रहा है। चुनावी स्टंट है यह कटौती- डीके शिवकुमार- वहीं, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्र सरकार के फैसले को पूरी तरह %चुनावी स्टंट% करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह कटौती केवल आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए की गई है। शिवकुमार ने निजी तेल कंपनियों की ओर से बढ़ाए जाने वाले कीमतों को लेकर कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम केवल छलावा है। इसकी असलियत जल्द ही राज्य की जनता के सामने उजागर करेंगे।

संपादकीय Editorial

PM Address, 'Trumpy Ceasefire'

Prime Minister Modi, in a statement in the Lok Sabha, acknowledged the crisis and conflict in West Asia as a serious and unprecedented challenge, similar to the COVID-19 pandemic. He called for national unity and encouraged the nation to "challenge" this economic, security, and humanitarian challenge. The Prime Minister also reassured the nation and shared information that while previously importing from 27 countries, he now imports various goods from 41. The country has a strategic reserve of 5.3 million metric tons of crude oil. Work is underway to increase this to 6.5 million metric tons. We now blend petrol with 20 percent ethanol, thus requiring 45 million barrels less oil imports. This initiative has been successful. Nearly 100% electrification of the railways has been achieved, reducing diesel and coal consumption to negligible levels. The country has ample food grain reserves and adequate fertilizer supplies for Kharif sowing. Six urea plants have been installed in the country, producing 7.6 million metric tons of urea. 2.2 million solar pumps have been provided to farmers. The country has sufficient electricity generation capacity, and 1,500 megawatts of hydropower is being added. 250 gigawatts of alternative energy is being produced. On a humanitarian level, 375,000 Indians were brought back after the Iran war began. Nearly 1,000 Indians have returned safely from Iran. We have also been successful in bringing back 700 medical students. Indian embassies are working 24 hours a day and are in contact with Indians. This, however, summarizes Prime Minister Modi's statement in Parliament. It was his responsibility to convey the truth to the country. We consider this not just an "address to the nation" but a global message. The Prime Minister has repeatedly appealed for an immediate end to tensions and wars in the interest of humanity. India has always advocated for restraint, dialogue, peace, stability, and diplomacy. Just two to two and a half hours after the Prime Minister's statement, US President Trump suddenly declared a unilateral five-day ceasefire. He claimed that the talks with Iran had been fruitful and positive. Iran wants a deal with the US. What kind of deal?! The US had issued a 48-hour threat to destroy Iran's power plants, but announced a ceasefire with 12 hours remaining. Is this Trump's new deception, a conspiracy, or is he trying to get out of the war? President Trump also claimed that Iran will no longer develop nuclear weapons. "We agree on many issues, so it has been decided that the US will not launch any attacks for five days. The War Department has also been given instructions," he said. However, Iran has completely rejected Trump's claim of talks. "No talks have taken place, nor is any deal expected." The US did send a message offering talks, which Iran rejected. Iran believes that Trump, fearing Iran's warning of devastating retaliatory attacks, has retreated from the war. America has once again lost. Indeed, President Trump's announcement immediately sent crude oil prices plunging 15-16 percent to $96. Stock markets also saw a surge. The question is: is President Trump now in the mood for a "permanent ceasefire" with Iran? Widespread protests are ongoing within the US. Midterm elections for Congress and the Senate are due this year. If Trump's Republican Party loses its majority in Parliament, an impeachment motion against the President could be brought. Economic conditions in the US are extremely dire. Was this the reason they forced the ceasefire? However, Israel disagrees and continues to attack Iran. Iran is also responding aggressively. What then is the meaning of a ceasefire? Attacks are being carried out from both sides, a lot of gunpowder is being burnt, what kind of ceasefire is this?

Bengal Assembly Elections 2026: TMC's fixed minority vote bank could be broken

As election season approaches, leaders begin to leave the party. Regardless of the party, no one is immune to the trend of leaders and workers leaving. This is clearly visible in the West Bengal elections. Minorities in Bengal are considered the TMC's fixed vote bank. Despite this, a large number of minority MLAs have had their tickets cancelled and their constituencies changed. Those denied tickets include Abdul Karim Chowdhury from Islampur in North Dinajpur, Tajamul Hossain from Harishchandrapur in Malda, Abdul Ghani from Sujapur, Manirul Islam from Farakka in Murshidabad, Mohammad Ali from Lalgola, Hasanujamma Sheikh from Beldanga, Abdul Razzaq from Jalangi, Abdul Rahim Dilu from Baduria in North 24 Parganas, Rafiqur Islam from Amdanga, Rahima Bibi from Deganga, Rabiul Islam from Haroa, Rafiqul Rahman from Basirhat North, Giasuddin Laskar from Magrahat West in South 24 Parganas, Firoza Bibi from Panskura West in East Midnapore, and

Humayun Kabir, suspended from the party, from Bharatpur in Murshidabad. The number of minority MLAs whose constituencies have been changed is no less. Sabina Yasmin has been given the ticket from Mothabari in Malda, Sujapur from Amirul Islam from Shamsherganj in Murshidabad, Rukbanur Rahman from Chapra in Nadia, Palashipada from Debra, IPS Humayun Kabir from Domkal, and Shaukat Mollah from Canning East in South 24 Parganas for the Bhangar seat. This has led to massive protests in both seats. Arabul Islam, a strong contender for the ticket from Bhangar and a former MLA, had already formed a separate front. Over the past few years, the distance between Arabul Islam and the Trinamool Congress had steadily increased due to suspension, expulsion, and reinstatement from the party. Due to repeated controversies, Arabul Islam lost his importance within the Trinamool Congress. Finally, due to this insignificance, he resigned and joined the ISF. The politics of defection before elections: As soon as the election season arrives, leaders begin to leave the party. Regardless of the party, the trend of leaders and workers leaving is untouched. Humayun Kabir has already formed his own party and jumped into the electoral fray. The ISF and AIMIM were already making inroads into Mamata Banerjee's minority vote bank, but the minority leaders within the party are also making things difficult. Meanwhile, the Left Front and Congress are contesting the elections separately without forming an alliance. The Aam Janata Unnayan Party has prominent minority leaders like Humayun Kabir and the ISF, Naushad Siddiqui. The Left Front is led by CPM secretary and former MP Mohammad Salim. Consequently, the fixed minority vote bank could be broken this time. Humayun Kabir, founder of the Aam Janata Unnayan Party and suspended Trinamool Congress MLA, has claimed that after the elections, a Muslim will become the Deputy Chief Minister of Bengal, and he will lead the Muslims. Accusing the Trinamool Congress of not giving adequate representation to the Muslim community, he said that the Trinamool Congress is afraid and has given significant representation to SCs, OBCs, and tribals. Compared to 2011, there were fewer Muslim candidates in 2016, even fewer in 2021, and the lowest in 2026. In fact, they have realized that Muslims will not vote for them, so they have not given them tickets. Suspended Trinamool Congress MLA Humayun Kabir is also saying that he launched the party to form a government, not to support Mamata Banerjee. He is clearly stating that his party will not support the Trinamool Congress in forming a government and will field a non-Bengali Muslim, i.e., Hindi-Urdu-speaking Muslim candidate, against Mamata Banerjee in Bhawanipur. It is noteworthy that he was suspended from the Trinamool Congress on December 4, 2025, after he proposed building a replica of the Babri Masjid in Murshidabad. Subsequently, he formed the Aam Janata Unnayan Party. Last year, he announced that his party would contest 182 seats. However, whatever minority votes the ISF, AIMIM, Aam Janata Unnayan Party, CPM, and Congress receive will come from the TMC's minority vote bank.

Middle East Conflict: India Faces a Test Not Just of Policies, But of Thinking

India imports a significant portion of its energy needs. This situation has persisted for a long time, but every global crisis brings it to the fore with renewed intensity. The Strait of Hormuz is the most sensitive point in this entire story. For the past 26 days, the US, Israel, and Iran have been embroiled in a war. The world has changed in an instant. We are at a turning point where the grip of old powers is loosening. New equations are forming. The growing tension in West Asia is no longer just a regional conflict, but its reverberations are resonating throughout the world. At such a time, a question naturally arises: Is India prepared for this changing world, or has it still not broken free from the habit of external dependence?

India faces a twofold challenge: energy security and maintaining strategic balance. Crude oil prices are rising. Supply chains are unstable. The nature of warfare is rapidly changing. In such a situation, India is facing a test not only of its policies but also of its thinking. India imports a large portion of its energy needs. This situation has existed for a long time, but every global crisis brings it to the fore with renewed intensity. The Strait of Hormuz is the most sensitive point in this entire story. The impact of its disruption is not limited to oil prices; it is directly affecting everyday life. In India, the prices of cooking gas, petrol (power), and industrial diesel have increased. This raises a serious question: has India made adequate long-term preparations for its energy security in recent decades, or are we always looking for temporary solutions during every crisis?

Indeed, the rise in oil prices is not just a matter of economic figures. It affects inflation, currency, and growth rates. Ultimately, its impact falls on the common citizen. India has certainly taken steps towards alternative energy in the last few years, but now the question has become more relevant: are these steps sufficient? Green hydrogen is being touted as the fuel of the future. It holds potential and strategic advantages, but are we able to implement it quickly enough? Solar energy is expanding, but is it widespread enough to truly reduce our dependence on imported energy? Installing solar panels on rooftops is a good start, but has it translated into a comprehensive energy revolution? Ethanol blending has shown a new direction, but the question remains: will this effort become a long-term solution or will it only provide partial relief? Clearly, half-measures in the energy sector will no longer suffice. Decisive change is needed. Another major question is whether our preparedness is adequate given the changing face of warfare. We have seen in the Russia-Ukraine War, Operation Sindoor, and the US-Israel-Iran War that the nature of warfare has changed. Large-scale weapons have been replaced by smaller, cheaper, and more effective means. Drones are a prime example of this change. Their ability to inflict significant damage at low cost has made them a decisive weapon of war. This raises a crucial question: Is India advancing rapidly enough in this area? The need for a missile defense system is now clear, but is our current system comprehensive enough to fully protect major cities and strategic locations? The realm of cyber and electronic warfare is even more complex. While combat is invisible, its impact is profound. Is India fully prepared for this invisible war? It is becoming clear that conventional military power alone is no longer sufficient. The battlefield has changed, and strategy must change accordingly. India's interests in West Asia are not only strategic, but also humanitarian and economic. Millions of Indians work there. Their security is a top priority. India must maintain balance in this situation. On the one hand, it has strong relations with Israel, and on the other, it also has vital interests with Iran. The question here is not who India stands with, but how it protects its interests. Will India be able to maintain this balance over the long term? Diplomacy is no longer merely a means of making statements, but rather the art of strategic balancing. Every crisis brings with it an opportunity. This is that moment for India. Only decisive changes in these three sectors: energy, defense, and technology can prepare India for the future. But this requires not just policies, but also clear vision and swift implementation. Time will determine whether India will continue to flow with the circumstances or develop the ability to turn them in its favor. The biggest question is: are we merely observing this changing world or are we also adapting to it?

पत्नी बनी पराई, मजहबी सरहदें लांघ कर मुस्लिमों ने दी तेजपाल को अंतिम विदाई; अंजान ने निभाया बेटे जैसा फर्ज

पत्नी पराई बन गई। मजहबी सरहदें लांघ कर मुस्लिमों ने तेजपाल को अंतिम विदाई दी। बेझिझक कांधा देकर रामगंगा तक अर्थी पहुंचाई। अंजान युवक ने मुखाग्नि देकर बेटे जैसा फर्ज निभाया।हिंदू-मुस्लिम एकता की कई मिसालें पेश कर चुके अगवानपुर में बुधवार को गंगा-जमुनी तहजीब का एक और बड़ा उदाहरण सामने आया। पत्नी समेत अपनों की बेरुखी का लंबे समय से सामना कर रहे 76 वर्षीय तेजपाल सिंह ने अंतिम सांस ली तो भी उनके अपनों का दिल नहीं पसीजा। तलाकशुदा पत्नी के आने से इन्कार और गांव में कोई रिश्तेदार न होने से कस्बे के एक हिंदू युवक ने अपने हाथों उनकी अंत्येष्टि व मुखाग्नि का जज्बा दिखाया। साथ ही कस्बे के तमाम मुस्लिमों ने हिंदुओं के कंधे से कंधे मिलाकर बुजुर्गवार को ससम्मान अंतिम विदाई दी। इस प्रक्रिया पर होने वाले खर्च के चंदे में भी मुस्लिम भाइयों ने बिना संकोच योगदान दिया। बिजनौर जिले के मूल निवासी तेजपाल एक दौर में अगवानपुर पेपर मिल में इलेक्टीशियन का काम करते थे। इस काम के चलते ही वह अगवानपुरवासी बन गए थे। सन 97 में मिल में एक हादसे के दौरान उनकी टांगों में गंभीर चोट आई और देखते-देखते वह दिव्यांग हो गए। रोजगार का रास्ता बंद हो गया। आपसी मतभेद के कारण तेजपाल की पत्नी से भी दूरी बनती चली गई और मामला तलाक के फैसले तक पहुंच गया। संतान के नाम पर एकमात्र बेटी भी अपनी मां के साथ चली गई। इसके बाद अकेले तेजपाल का सहारा बना एक मुस्लिम परिवार। अगवानपुर के आसिफ नामक शख्स ने पूरी तरह एकाकी हुए तेजपाल के खाने-नाश्ते की व्यवस्था अपने घर से शुरू करा दी। यही नहीं जरूरत पड़ने पर उनके लिए दवा का इंतजाम भी यही परिवार करता और बदले में कोई पैसा कभी नहीं लिया। बुधवार की सुबह करीब 10 बजे आसिफ का बेटा दस वर्षीय अमान रोज की तरह उनके लिए खाना लेकर गया। आवाज देने पर भी न दरवाजा खुला, न भीतर से जवाब आया। घबराए अमान ने पड़ोसी को बताया। दोनों ने सटे मकान की छत से घर में झांका तो तेजपाल टॉयलेट में अचेत अवस्था में गिरे नजर आए। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

चौकी प्रभारी कुलदीप शर्मा सिपाहियों के साथ आए। दरवाजा तोड़कर पुलिस भीतर दाखिल हुई तो देखा कि तेजपाल की सांसें थम चुकी थीं। पुलिस ने उनकी पत्नी और पैतृक गांव में फोन कर घटना की सूचना दी लेकिन पत्नी ने तलाक का हवाला देकर आने से इन्कार कर दिया। गांव से बताया गया कि उनके माता-पिता गुजर चुके हैं, जबकि कोई भाई-बहन है नहीं। गांव में उनका कोई खानदानी भी नहीं है।

इसके बाद आगे आए अगवानपुर के इंसानी रिश्तों की कद्र करने वाले लोग। हिंदू-मुस्लिम का फर्क मिटाकर दोनों समुदाय के कई जिम्मेदार लोगों ने आपसी आर्थिक सहयोग से उनकी अर्थी और अंत्येष्टि का सामान जुटाया। हिंदू परंपराओं के अनुसार विधिवत अर्थी तैयार करके अंतिम यात्रा निकाली और रामगंगा किनारे श्मशान की तरह इस्तेमाल होने वाले स्थान पर उनका दाह संस्कार किया।

कस्बे में ही रहने वाले मोनू ने मुखाग्नि की रस्म निभाई। अंतिम विदाई देते समय न सिर्फ बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद थे, बल्कि अर्थी को कांधा देने में भी पीछे नहीं रहे। दो धर्मों के बीच बात-बात पर विवाद और नफरत फैलाने की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच यह घटना अगवानपुर ही नहीं आसपास के क्षेत्र में भी चर्चा का विषय बनी है।

पूर्व में रमजान के दौरान नवरात्र की शुरुआत के वक्त भी दोनों धर्मों के लोगों ने एक-दूसरे की पूजा-इबादत में पूरी तरह सहयोगी रुख रखा था। कांवड़ यात्रा के दिनों में मुस्लिमों द्वारा शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा जैसे उदाहरण भी सामने आए थे।

आसिफ का परिवार 15 वर्ष से कर रहा था सेवा- मजहबी दायरे में सिमटने के बजाय एक बुजुर्ग की सेवा में दरियादिली दिखाने वाले आसिफ की तेजपाल सिंह से नजदीकी की कहानी भी काफी दिलचस्प है। कस्बे के लोगों ने बताया कि साल 2011 में तेजपाल ने अगवानपुर स्थित अपना मकान बेचा था, जिसे आसिफ ने खरीदा था। मकान बेचने के बाद तेजपाल एक परिचित के साथ कहीं चले गए थे। कुछ दिन बाद ही वापस आ गए और आसिफ से अपने बेचे मकान में ही रहने की इच्छा जताई। आसिफ ने न सिर्फ इस पर सहमति जताई बल्कि उनके नाश्ते-खाने के इंतजाम की जिम्मेदारी भी अपने परिवार को दे दी। इस परिवार ने दूसरे धर्म के अंजान से बने इस अपनेपन के रिश्ते को तेजपाल की अंतिम सांस तक निभाया भी।

... इसी मकान से उठेगी मेरी अर्थी- कस्बे के लोगों ने बताया कि जब तेजपाल सिंह ने बेचने के बाद भी अपने मकान में रहने की ख्वाहिश आसिफ से साझा की तो कहा था...मैं यहीं रहूंगा, मेरी अर्थी इसी मकान से उठेगी। आसिफ और कस्बे के बड़े दिलवाले मुस्लिमों ने उनकी इस बात का पूरा सम्मान रखा।

हर किसी को अखरी विधिवत श्मशान घाट न होने की कमी- अगवानपुर के लोगों ने बताया कि कस्बे में हिंदू शवों के दाह संस्कार के लिए विधिवत श्मशान या कोई निर्धारित स्थान नहीं है। रामगंगा किनारे किसी भी उबड़-खाबड़ स्थान पर लोगों को अंत्येष्टि के लिए मजबूर होना पड़ता है। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष वरुण गुप्ता ने नाराजगी जताते हुए कहा कि श्मशान घाट न होने से नदी किनारे कच्चे या गड्ढों जैसे स्थानों पर अंत्येष्टि करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सैकड़ों बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हैं लेकिन जिम्मेदार श्मशान के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा रहे। इसकी वजह से विधिवत श्मशान के लिए रिलीज बजट वापस हो जाता है।

आईपीएस जोड़े की सगाई संपन्न: संभल में सादगी से हुआ समारोह, जमकर थिरके; अब बाड़मेर में होंगे शादी के कार्यक्रम

संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई और बरेली की एएसपी अंशिका वर्मा की सगाई बबराला स्थित यारा फर्टिलाइजर परिसर में संपन्न हुई। शादी के अन्य आयोजन राजस्थान के बाड़मेर में 27 मार्च को हल्दी-संगीत के साथ होंगे।संभल जिले के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई और बरेली की एएसपी अंशिका वर्मा की सगाई बृहस्पतिवार को संपन्न हो गई है। इस कार्यक्रम में दोनों आईपीएस जोड़े के परिवार के सदस्य व कई अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम देररात तक आयोजित किया गया।सगाई का कार्यक्रम संभल के बबराला स्थिति यारा फर्टिलाइजर परिसर में आयोजित किया गया। सुबह से ही कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। देररात में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इन आईपीएस जोड़े की शादी के अन्य कार्यक्रम राजस्थान में आयोजित होंगे।27 मार्च को बाड़मेर जिले में हल्दी-संगीत सेरेमनी है।29 मार्च को शादी और 30 मार्च को जोधपुर में रिसेप्शन है। इस कार्यक्रम में भी पुलिस-प्रशासन के साथ राजनीतिक हस्तियां शामिल होने की उम्मीद है। मालूम हो इन दिनों इस आईपीएस जोड़ी की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा है। शादी का कार्ड भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अब सगाई के कार्यक्रम की वीडियो सोशल मीडिया पर छा गई है। जिसमें एसपी काला चश्मा लगाकर डांस करते दिखाई दे रहे हैं।

शिक्षण संस्थानों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था हारिश, पूछताछ में संदिग्ध आतंकी हारिश के चौंकाने वाले खुलासे

संदिग्ध आतंकी हारिश ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। हारिश शिक्षण संस्थानों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था। हारिश मुरादाबाद के अलावा, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा के बड़े-बड़े कॉलेजों में अपना नेटवर्क खड़ा कर रहा था।संदिग्ध आतंकी हारिश केवल एक कॉलेज तक में अपना नेटवर्क खड़ा कर रहा था। वह आकाओं से मिले निर्देश पर पूछताछ में सामने आई है।सहारनपुर निवासी हारिश मुरादाबाद के एक छात्र के साथ रहता था। वह ज्यादा समय कमरे में ही रहता और मोबाइल आया था। एटीएस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी इसके बाद उसे लखनऊ ले गई थी। एटीएस ने मंगलवार को उसे पांच अलावा, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा के बड़े-बड़े कॉलेजों में अपना साथ छात्रों की एक बड़ी फौज तैयार कर रहा था। एटीएस ने इसके अन्य फंडिंग, बम बनाना भी सीख रहा था हारिश टेरर फंडिंग के लिए क्रिप्टो करीबियों के बैंक खातों में क्रिप्टो करेंसी के जरिये लाखों रुपये भेजे गए में इसका खुलासा हुआ है। एटीएस उसके करीबियों का पता भी लगा जिहादी गतिविधियों में रुचि लेनी शुरू कर दी थी। उसके मोबाइल की हासिल कर रहा था। इसके लिए उसके हैंडलर्स ने कई वेबसाइट के लिंक कहा, जिसके बाद क्रिप्टो करेंसी के जरिये फंडिंग जुटानी शुरू कर दी। एटीएस ने जब उसके मोबाइल और लैपटॉप की फॉरेंसिक जांच कराई तो उसके हैंडलर्स के आईपी एड्रेस सीरिया, पाकिस्तान व अफगानिस्तान के आसपास के मिले। एटीएस हारिश के ग्रुप से जुड़े अन्य युवाओं को भी तलाश रही है, जिसमें कई नाबालिग भी हैं।

सीमित नहीं था, वह मुरादाबाद समेत पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई शिक्षण संस्थानों शिक्षण संस्थानों के छात्रों को अपने साथ जोड़ रहा था। यह बात एटीएस की कॉलेज से बीडीएस कर रहा था। वह कॉलेज के ही हॉस्टल में शामली निवासी व लैपटॉप पर देर रात तक व्यस्त रहता था। ऑनलाइन ही आईएस के संपर्क में थी। 15 मार्च को लखनऊ से आई एटीएस ने हारिश को गिरफ्तार कर लिया था। दिन की रिमांड पर लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि हारिश मुरादाबाद के नेटवर्क खड़ा कर रहा था। वहां के छात्रों को अपने साथ छोड़ रहा था। वह अपने साथियों की तलाश भी शुरू कर दी है। क्रिप्टो करेंसी के जरिये हो रही थी टेरर करेंसी के जरिये रकम जुटा रहा था। बीते दो वर्षों के दौरान हारिश और उसके थे। हारिश को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर एटीएस द्वारा की जा रही पूछताछ रही है। सहारनपुर निवासी हारिश ने नीट की तैयारी के साथ ही आईएस की जांच में इसके पुख्ता प्रमाण मिले हैं। वह बम बनाने का ऑनलाइन प्रशिक्षण भी भेजे थे। साथ ही उससे टेरर फंडिंग के लिए अपने साथियों की मदद लेने को

संक्षिप्त समाचार

गैंगस्टर एक्ट में पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक समेत तीन को सजा, भेजे गए जेल

गैंगस्टर एक्ट केस में मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं हिस्ट्रीशीटर ललित कौशिक समेत तीन को सजा सुनाई गई है। इसके बाद तीनों को जेल भेज दिया गया है। एडीजे-पांच/स्पेशल न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) रेशमा की अदालत ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं हिस्ट्रीशीटर ललित कौशिक समेत तीन को दोषी करार दिया है। बृहस्पतिवार सजा सुनाए जाने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।सिविल लाइंस के रामगंगा विहार में 12 जनवरी 2022 को स्पोर्ट्स सामान के कारोबारी कुशांक गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने दीन दयाल नगर निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक, पाकबड़ा के गिंदौड़ा निवासी केशव सरन शर्मा और भोजपुर के हुमायूंपुर निवासी खुशवंत उर्फ भीम को गिरफ्तार किया था।पुलिस ने दावा किया था कि ललित कौशिक ने सुपारी देकर आरोपी शूटर भीम और केशव से कुशांक गुप्ता की हत्या कराई थी। इसके बाद पुलिस ने सिविल लाइंस थाने में तीनों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की थी। बुधवार को इस मामले में सुनवाई हुई। मुख्य आरोपी ललित कौशिक को बलरामपुर जेल और खुशवंत सिंह उर्फ भीम को मुरादाबाद जेल से तलब किया गया। उधर, केशव जमानत पर चल रहा था, वह भी कोर्ट में हाजिर हुआ। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद तीनों आरोपी ललित कौशिक, केशव और खुशवंत उर्फ भीम को गैंगस्टर एक्ट में दोषी करार दिया। बृहस्पतिवार को तीनों को जेल भेज दिया गया।

संभल में सार्वजनिक भूमि पर बने मदरसे को खुद ही तोड़ने लगे लोग, प्रशासन तक पहुंची थी निर्माण की शिकायत

असमोली थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर बंद में सार्वजनिक भूमि पर बने मदरसे की पैमाइश शुरू होने से पहले ही संबंधित पक्ष ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया है। प्रशासन ने बताया कि मदरसा और मस्जिद की ऊपरी मंजिल पर हाल में निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इसपर आसपास के लोगों ने आपत्ति जताई थी।असमोली थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर बंद में सार्वजनिक भूमि पर बताए गए मदरसा गोसुल उलूम और मदरसे वाली मस्जिद की पैमाइश की बात आते ही इस संपत्ति से जुड़े पक्ष ने मौके पर खुद ही इमारत तोड़नी शुरू कर दी। संभल के तहसीलदार द्वारा पैमाइश कर अगली कार्रवाई के निर्देश जारी करने के बाद मदरसा-मस्जिद पक्ष तोड़फोड़ में सक्रिय हो गया।इस परिसर से जुड़े पक्ष का कहना है कि मदरसा-मस्जिद 30 वर्ष पुराने हैं। कुछ दिन पहले मदरसा गोसुल उलूम और मदरसे वाली मस्जिद की ऊपरी मंजिल पर निर्माण शुरू हुआ था। इस दौरान दीवारों में खिड़कियां लगाई गईं तो आसपास के घरों में रहने वालों ने आपत्ति की और डीएम से इसकी शिकायत की।डीएम के आदेश पर संभल के तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने गांव में ग्राम समाज की भूमि का सीमांकन करवाया। साथ मदरसा-मस्जिद को सार्वजनिक भूमि पर बताते हुए जमीन कब्जा मुक्त कराने के लिए राजस्व निरीक्षक, लेखपालों आदि की टीम गठित कर दी। इसके बाद तहसीलदार ने इस इमारत को गाटा संख्या 623, रकबा 0.112 हेक्टेयर और गाटा संख्या 630, रकबा 0.126 हेक्टेयर पर बताया। साथ ही कहा कि यह जगह खाद के गड्ढे और खेल के मैदान की है। यानी सार्वजनिक भूमि है। शनिवार (28 मार्च) को इसकी रिकॉर्ड के आधार पर पैमाइश की जाएगी। पैमाइश के बाद सार्वजनिक भूमि खाली कराने की कार्रवाई होगी। गांव के लोगों ने बताया कि इस बीच बुधवार रात मुबारकपुर बंद गांव में संबंधित पक्ष ने पंचायत की। पंचायत में कहा गया कि मदरसा गोसुल उलूम और मदरसे वाली मस्जिद पर अगर बुलडोजर कार्रवाई हुई तो ज्यादा नुकसान होगा। आपसी राय से संबंधित पक्ष ने बृहस्पतिवार की सुबह से मस्जिद और मदरसे को तोड़ने का काम शुरू कर दिया। गांव मुबारकपुर बंद में सरकारी जमीन पर हुए निर्माण की पैमाइश करने के लिए टीम गठित कर दी गई है। शनिवार को टीम मौके पर जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

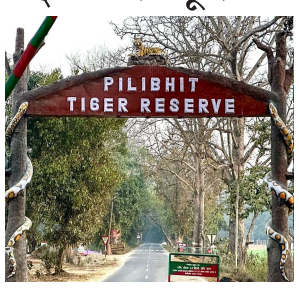

प्रमुख सचिव वन वी. हेकाली झिमोमी ने किया पीलीभीत टाइगर रिजर्व का निरीक्षण, टाइगर रेस्क्यू सेंटर कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत। दो दिवसीय दौरे पर जनपद पहुंचीं प्रमुख सचिव वन वी. हेकाली झिमोमी ने बृहस्पतिवार को पीलीभीत टाइगर रिजर्व का दौरा कर निर्माणाधीन टाइगर रेस्क्यू सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रमुख सचिव अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचीं, जहां उन्होंने पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ अनुराधा वेमुरी के साथ पूरनपुर रेंज स्थित गोपालपुर जंगल में बन रहे टाइगर रेस्क्यू सेंटर का स्थलीय निरीक्षण किया। करीब 14.33 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस सेंटर की प्रगति का उन्होंने बारीकी से जायजा लिया। वन विभाग के अधिकारियों ने अवगत कराया कि रेस्क्यू सेंटर का निर्माण चार चरणों में किया जा रहा है। वर्तमान में अंतिम चरण का कार्य शासन से प्राप्त 90.43 लाख रुपये की धनराशि से संचालित है। प्रमुख सचिव ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की भी जांच की और अब तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत प्रमुख सचिव मुस्तफाबाद गेस्ट हाउस पहुंचीं, जहां उन्होंने दोनों वन प्रभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में वानिकी कार्यों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस दौरान उन्होंने बाघ मित्रों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की तथा जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं की जानकारी भी ली। मौके पर मुख्य वन संरक्षक पी.पी. सिंह, डीएफओ मनीष सिंह, डीएफओ भारत कुमार डीके सहित अन्य वन अधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को उनके सम्मान सुरक्षा के बारेमे जागरूक कराया

क्यूँ न लिखूँ सच/ सिकंदर राजा / मुरादाबाद मिशन शक्ति अभियान फेज अ- 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर - 1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए MST 02 थाना mughalpura जनपद मुरादाबाद

राम नवमी पर घर-घर पूजी गईं कन्याएं, मंदिरों में हुए अनुष्ठान

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। माता दुर्गा के नौवें और अंतिम स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना बड़े ही धार्मिक और उत्साहपूर्ण वातावरण में की गई। इसी के बड़ी आसाथ और श्रद्धा के साथ कन्याओं का घर पूजन हुआ। छेत्र नवरात्रि के नवमी पर मां सिद्धिदात्री का पूजन किया गया। मातारानी को सुख, समृद्धि और ज्ञान की देवी माना जाता है और भक्तों ने पूरे विधि-विधान के साथ उनकी आराधना की। नवरात्रि के नौ दिन तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा का विधान संपन्न किया गया। प्रत्येक दिन माता के एक स्वरूप को समर्पित रहा, जिसमें भक्तों ने व्रत, जप, तप और हवन के माध्यम से अपनी भक्ति प्रकट की। महाअष्टमी और नवमी तिथि पर विशेष रूप से कन्या पूजन का आयोजन किया गया। कन्या पूजन के दौरान मां दुर्गा की विदाई की परंपरा निभाई गई। जिसमे सबसे पहले कन्याओं के पैर धोए गए। इसके बाद उन्हें आसन पर बिठाया गया और उनके हाथों में कलावा बांधा गया। कन्याओं के माथे पर कुमकुम का तिलक लगाया गया। फिर माता रानी को प्रिय पकवानों जैसे पूड़ी, हलवा, चने और अन्य व्यंजनों को कन्याओं के समक्ष परोसा गया। भक्तों का मानना है कि कन्याओं की प्रसन्नता से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और दीर्घायु का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। इस अवसर पर मंदिरों और घरों में भक्ति भाव से भरे गीत और मंत्रोच्चार गूंजते रहे, जिसने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया।

विवाह के 15 दिन बाद नर्स ने फंदा लगाकर दी जान!

5 दिन पहले पति ने खाया था विषाक्त पदार्थ

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा /बरेली। इज्जतनगर क्षेत्र के एक अस्पताल की नर्स ने प्रेम विवाह के करीब 15 दिन बाद अपनी जान गंवा दी। गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यिान रात नर्स का शव घर में फंदे पर लटका मिला। बहन की मौत से घर के एकमात्र सदस्य-भाई का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताते हैं कि पांच दिन पहले मृतका के पति ने भी विषाक्त पदार्थ खाकर जान देने का प्रयास किया था। बहरहाल, मृतक नर्स एक पत्र छोड़ गई है। घटनाक्रम सीबीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का है। क्षेत्र की एक युवती ने जीएनएम की पढ़ाई के बाद इज्जतनगर क्षेत्र के एक अस्पताल में जॉब शुरू की।

वहीं, बदायूं का एक युवक जॉब करता था। दोनों की पहचान हो गई। पिछले दिनों उन्होंने कोर्ट मैरिज कर ली। शादी के बाद युवती अपने मायके आ गई। इस बीच उसके पति ने विषाक्त पदार्थ खा लिया और उसके पांच दिन बाद युवती ने अपनी जान गंवा दी। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। हालांकि युवती ऐसा कदम क्यों उठाया है-यह चर्चा का विषय बना है।

बरखेड़ा में श्रमिकों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित, योजनाओं की दी गई जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत। जनपद के बरखेड़ा नगर में श्रम विभाग एवं उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के संयुक्त तत्वावधान में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों, लघु व्यापारियों एवं असंगठित क्षेत्र के कामगारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (PM-SYM) पेंशन योजना, लघु व्यापारी (NPS) पेंशन योजना सहित श्रम विभाग द्वारा संचालित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के कामगारों की वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही हैं। शिविर में बताया गया कि इस योजना का लाभ रिक्शा चालक, फेरीवाले, मिड-डे मील कर्मी, ईंट भट्ठा श्रमिक, घरेलू कामगार, धोबी, मनरेगा श्रमिक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य असंगठित क्षेत्र के कामगार उठा सकते हैं। योजना में शामिल होने के लिए आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम होनी चाहिए। साथ ही लाभार्थी आयकरदाता न हो और किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना जैसे ईपीएफ, एनपीएस या ईएसआईसी का सदस्य न हो। नामांकन प्रक्रिया के तहत पात्र कामगार नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट) पर जाकर आधार कार्ड एवं बैंक खाते के माध्यम से स्वयं पंजीकरण कर सकते हैं। प्रथम माह का अंशदान नकद जमा करना होगा, जिसके बाद आगे की किस्तें खाते से स्वत: कटती रहेंगी। इस अवसर पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सेठ मोहम्मद अनस, नामित सभासद लक्ष्मीकांत भोजवाल, श्रम विभाग के प्रभारी तेज बहादुर, सुखदेव मिश्रा, माखनलाल भोजवाल, कमलेश कुमार, बंटी शर्मा, कमलेश गंगवार, नन्हे लाल, धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में स्वास्थ्य समिति बैठक, संचारी रोगों पर दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने में पिछड़ रहे ब्लॉक व तहसीलों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आशा एवं एएनएम के लंबित भुगतान में शीघ्र सुधार सुनिश्चित करने को कहा गया। आभा आईडी जनरेशन में शहरी क्षेत्रों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी के साथ विशेष बैठक करने के निर्देश दिए। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मलेरिया सहित अन्य बीमारियों को नियंत्रित रखने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में फॉगिंग कराने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिए गए। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जनजागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि अभियान में लापरवाही बरतने वाली आशाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को घर-घर जाकर सर्वे करने के निर्देश दिए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि बच्चों को पूरी बांह के कपड़े पहनने के प्रति अभिभावकों को जागरूक किया जाए, जिससे मच्छरों से बचाव हो सके। इसके अलावा, जिन सीएचसी और पीएचसी पर सीएचओ लंबे समय तक अनुपस्थित रहते हैं, उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वस्थ हुए बच्चों को जिलाधिकारी द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे ।

बहेड़ी पुलिस का बड़ा एक्शन गौकशी गैंग मुठभेड़ में 4 गिरफ्तार - 2 घायल , भारी मात्रा में असलाह बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा /बरेली। थाना बहेड़ी क्षेत्र में पुलिस ने गौकशी में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो बदमाश घायल हुए हैं।पुलिस के अनुसार, 24/25 मार्च की रात श्यामाचरण गोटिया क्षेत्र में किच्छा नदी किनारे गौवंशीय पशु वध की घटना सामने आई थी, जिसके बाद से पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। आज सुबह करीब 4 बजे पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी फिर से वारदात की फिराक में हैं। सूचना पर उत्तमनगर रोड स्थित नहर पुलिया के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध टेंपो को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन आरोपी भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दो बदमाशों को पैर में गोली मारकर घायल कर दिया, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचे, रिवाल्वर, जिंदा कारतूस, पशु वध के उपकरण, एक टेंपो, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। घायल आरोपियों और पुलिसकर्मी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है और क्षेत्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सामान्य है ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में पेट्रोलियम विभाग की बैठक , कार्यो की हुई समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में पेट्रोलियम विभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं और चल रहे कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में विभाग से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनहित से जुड़ी योजनाओं का लाभ आम जनता तक समय पर पहुंच सके।

पासपोर्ट कार्यालय को उड़ाने की धमकी : ईमेल आने के बाद मचा मौके पर पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले के प्रियदर्शनी नगर स्थित पासपोर्ट ऑफिस में शुक्रवार सुबह 11=15 बजे धमकी भरा मेल आने के बाद अधिकारी सन्न रह गए। डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ते की टीम पहुंची और सघन जांच शुरू कर दी गई। ईमेल में बताया गया है कि दो बजे बम फटेगा। इसके बाद टीम ने जांच शुरू कर दी है। प्रेम नगर थाना क्षेत्र में पुराने पासपोर्ट ऑफिस पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी भी बैठते हैं। फिलहाल पुलिस और बमनिरोधक दस्ते की टीम ने परिसर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सब्जी वालों और दुकानदारों को भी वहां से हटने को कहा गया है। वैसे माना जा रहा है कि किसी ने सनसनी फैलाने के लिए ऐसा किया है लेकिन एहतियात के तौर पर सारे कदम उठाए जा रहे हैं।

फर्जी आधार, आयुष्मान कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाली गैंग का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस ने इंटेलिजेंस व एसओजी की संयुक्त सूचना पर फर्जी आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले एक संगठित गैंग का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक युवक और एक अपचारी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लैपटॉप, स्कैनर, फिंगरप्रिंट डिवाइस, प्रिंटर, मोबाइल फोन, आईडी और अधूरे बने दस्तावेज बरामद किए हैं। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र के ग्राम लाड़पुर मुड़िया रोड स्थित एक ट्यूबवेल के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में मुख्य आरोपी शाहिद, निवासी मोहल्ला ऊंचा कस्बा फरीदपुर, ने बताया कि वह पहले इंडियन ओवरसीज बैंक के लोकवाणी केंद्र में काम करता था, लेकिन गलत गतिविधियों के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। इसके बाद उसका संपर्क कोलकाता निवासी शमीम अख्तर से हुआ, जिसने उसे ऑनलाइन आईडी उपलब्ध कराई। आरोपी ने बताया कि वह व्हाट्सएप के जरिए फिंगरप्रिंट मंगवाकर रबर फिंगरप्रिंट तैयार कराता था और उसी के माध्यम से अन्य लोगों की आईडी खोलकर फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। इस कार्य में धोरेरा गजरौला निवासी नवीन की भी भूमिका सामने आई है। अपचारी ने भी लालच में आकर इस काम में शामिल होने की बात कबूल की है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार युवक और अपचारी को जेल भेज दिया है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

शीशम के 8 पेड़ों पर चला आरा, वन विभाग की लापरवाही बेनकाबब

मरौरी के बेहरी गांव में अवैध कटान से हड़कंप, जिम्मेदारों पर उठे बड़े सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविंद कुमार

पीलीभीत /पीलीभीत जिले के मरौरी ब्लॉक के ग्राम बेहरी स्थित जंगल क्षेत्र में वन विभाग की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है, जहां अवैध लकड़हारों ने 8 बेशकीमती शीशम के पेड़ों को काटकर धराशायी कर दिया। इस घटना से न सिर्फ हरित संपदा को भारी नुकसान पहुंचा है, बल्कि पूरे क्षेत्र में रोष और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि वन विभाग समय रहते सक्रिय रहता और नियमित निगरानी होती, तो इस तरह खुलेआम पेड़ों की कटाई संभव नहीं थी। शीशम जैसे दुर्लभ और बहुमूल्य वृक्षों की कटाई से क्षेत्र की जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर वन रेंजर बीपी श्रीवास्तव ने प्रारंभिक जांच के लिए अमरिया क्षेत्र के वन दरोगा शैलेंद्र सिंह को मौके पर भेजा। लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि घटनास्थल मरौरी ब्लॉक में आता है, जो उनके कार्यक्षेत्र से बाहर है। इसके बाद संबंधित क्षेत्र के वन दरोगा शेर सिंह को मौके पर भेजा गया। इस पूरे घटनाक्रम ने वन विभाग के अंदर समन्वय की कमी और क्षेत्रीय जानकारी के अभाव को उजागर कर दिया है। वन रेंजर बीपी श्रीवास्तव के अनुसार, मामले में ताराचंद पुत्र जीवन लाल और वृंदावन पुत्र ओमप्रकाश निवासी ग्राम बेहरी (विकासखंड मरौरी) सहित एक अज्ञात के खिलाफ विभागीय मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हालांकि, इस अवैध कटान के पीछे शामिल ठेकेदार का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। अधिकारियों का कहना है कि जानकारी मिलते ही ठेकेदार के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही आवश्यक वैधानिक और विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों ने इस घटना को लेकर कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई, नियमित गश्त और जंगलों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। जब जिम्मेदार अधिकारियों को ही अपने क्षेत्र की सीमाओं की सही जानकारी नहीं, तो जंगलों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? अब नजरें वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं–क्या दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी या मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

मुरादाबाद की 73 औद्योगिक इकाइयों पर लटकी तलवार, पर्यावरण संरक्षण मानकों का पालन नहीं, स्वास्थ्य पर भी असर

मुरादाबाद के 73 औद्योगिक इकाइयों को पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इनके बंदी की संस्तुति की है। इसके बाद से इनके संचालकों पर हड़कंप मचा हुआ है। मुरादाबाद के आवासीय क्षेत्र में मौजूद 73 गई है। इन्हें पर्यावरण मानकों के मुख्यालय रिपोर्ट भेजी है। साथ ही बढ़ने और जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्राधिकरण को भी कार्रवाई के लिए पीतल गलाने वाली भट्ठियां, ई-वेस्ट ज्यादा हैं। पानी की तीन इकाइयां के मानकों पर फेल माना गया है। क्षेत्र में संचालन भी एक मुद्दा है। गुप्ता ने बताया कि ये औद्योगिक रही हैं। ये पर्यावरण मानकों का उल्लंघन के संचालित किया जा रहा है। इनसे प्रभावित हो रही है। प्रदूषण नियंत्रण बताओ नोटिस जारी किया था। किसी और न ही स्पष्टीकरण दिया। कुछ के इन्हें बंद कराने की संस्तुति के साथ को ध्यान में रखते हुए आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने पर सवाल उठाते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से एमडीए को भी लिखा गया है। बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि प्राधिकरण को भी इस मामले में सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

औद्योगिक इकाइयों पर कार्रवाई की तलवार लटक विपरीत बताते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अपने इन्हें बंद करने की संस्तुति की है। इनसे प्रदूषण प्रभाव पड़ने का हवाला देते हुए मुरादाबाद विकास लिखा है। कार्रवाई के दायरे में आ रहे उद्योगों में (इलेक्ट्रॉनिक कचरा) प्रोसेसिंग से जुड़ी इकाइयां (वाटर यूनिट) भी हैं। इन सबको पर्यावरण संरक्षण साथ ही इन कॉमर्शियल गतिविधियों का आवासीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डीके इकाइयां घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संचालित हो कर प्रदूषण फैला रही हैं। इन्हें बिना वैध अनुमति आसपास रहने वालों की सेहत सीधे तौर पर बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी के मुताबिक इन्हें कारण भी इकाई संचालक ने न तो कोई दस्तावेज दिखाए मिले जवाब संतोषजनक नहीं थे। इसलिए अब मुख्यालय रिपोर्ट भेजी है। उन्होंने कहा कि जनहित

मैनाठेर कांड: मैंने तो जिंदगी की उम्मीद छोड़ दी थी, पैर में घोंपा था सूजा, दोषियों को 28 को सुनाई जाएगी सजा

मैनाठेर कांड के दोषियों को 28 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। अदालत ने 23 मार्च को तत्कालीन डीआईजी पर हमले के मामले में 16 आरोपी दोषी करार दिए थे। उधर, बवाल में भीड़ के हमले में घायल हुए तत्कालीन डीआईजी के पीआरओ रहे कई खुलासे किए।जिस तरह भीड़ ने हमला उम्मीद ही छोड़ चुका था। भीड़ में मौजूद घोंप दिया था। इससे खून ऐसे बह रहा था छोड़ कर शरीर पर जगह जगह पत्थर और जिंदगी बच गई थी।यह कहना है मैनाठेर घायल हुए तत्कालीन डीआईजी अशोक रवि कुमार का। इस दुस्साहसिक वारदात केस के वादी भी। वर्तमान में बरेली इंस्पेक्टर रवि कुमार ने बताया कि 2011 और एसएसपी/ डीआईजी के पीआरओ बवाल की सूचना मिलने पर डीआईजी घटनास्थल की ओर जा रहे थे। मैं डीआईजी बराबर वाली सीट पर बैठा था। डींगरपुर देखकर डीआईजी अपनी गाड़ी से उतर थे। इसी दौरान 500 से ज्यादा लोगों ने से निकल कर डीआईजी के पीछे खड़ा हो हमला कर दिया। किसी तरह डीआईजी पेट्रोल पंप की ओर भागे लेकिन भीड़ पीछा करते हुए वहां भी पहुंच गई। मेरे ऊपर भी पत्थर फेंके गए। सिर बच गया था लेकिन एक हमलावर ने मेरे पैर में सूजा घोंप दिया था। डीआईजी पेट्रोल पंप के अंदर कमरे में और मैं बाहर घायल अवस्था में पड़ा था। मैंने पुलिस को कॉल की। करीब दो घंटे बाद पुलिस पहुंची और हम दोनों को अस्पताल भिजवाया गया था। इस मामले में 25 नामजद और तीन सौ अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। तत्कालीन डीआईजी पर हमले के दोषियों को कल सुनाई जाएगी सजा- मैनाठेर बवाल के दौरान तत्कालीन डीआईजी पर हमले के मामले में 16 दोषियों को शनिवार को सजा सुनाई जाएगी। पहले शुक्रवार को सजा सुनाई जानी थी लेकिन उस दिन रामनवमी का अवकाश है। अदालत ने 23 मार्च को तत्कालीन डीआईजी पर हमले के मामले में 16 आरोपी दोषी करार दिए थे। सुनवाई के दौरान तीन आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है जबकि छह आरोपी नाबालिग हैं। जिनकी फाइल अलग चल रही है। दोषी ठहराए गए मंजूर अहमद निवासी डींगरपुर, मो. अली, हाशिम निवासी ललवारा थाना मैनाठेर, मो. कमरुल, मो.मुजीफ निवासी मसेबी रसूलपुर थाना मैनाठेर, मो.यूनुस, अम्बरीश निवासी शाहपुर चामरान, कासिम निवासी परियावली थाना असमोली जिला संभल, मो.मोबीन उर्फ मोहम्मद मोहसिन निवासी बरखेड़ा थाना डिडौली जिला अमरोहा, मो. मुजीब, तहजीब आलम निवासी असदपुर थाना मैनाठेर, जाने आलम निवासी मिलक नवाब मैनाठेर, मो. निवासी असदपुर मैनाठेर को जेल भेज दिया गया था। इस मामले में शुक्रवार 27 मार्च को सजा सुनाई जानी थी लेकिन शुक्रवार को अवकाश होने के कारण अब सजा शनिवार को सुनाई जाएगी। 16 वां आरोपी मो. फिरोज गिरफ्तार-23 मार्च को सुनवाई के दौरान 14 आरोपी ही भेज हुए थे जबकि मैनाठेर के लालपुर निवासी रिजवान और ताहरपुर निवासी मो. फिरोज हाजिर नहीं हुए थे। अगले दिन रिजवान ने कोर्ट में सरेंडर कर दियाथा जबकि मो. फिरोज फरार चल रहा था। एसपी देहात कुंवर आकाशसिंह ने बताया कि मो. फिरोज भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

रवि कुमार ने घटना के बारे में किया था मैं तो जिंदगी की एक हमलावर ने मेरे पैर में सूजा जैसे गोली लगी है। सिर को ईंटें लगे थे। बस किसी तरह बवाल में भीड़ के हमले में कुमार सिंह के पीआरओ रहे के वह मुख्य चश्मदीद हैं और एसएसपी कार्यालय में तैनात में वह मुरादाबाद में तैनात थे थे।छह जुलाई 2011 को मैनाठेर डीएम की गाड़ी में बैठकर की गाड़ी में ड्राइविंग सीट के पेट्रोल पंप के पास भीड़ को गए थे और उन्हें समझाने लगे उन्हें घेर लिया था। मैं तुरंत गाड़ी गया था इतनी ही देर में भीड़ ने

अपने धर्म को ही एकमात्र सच्चा बताना दूसरे का अपमान , मुकदमा रद्द करने की अर्जी खारिज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में किसी भी व्यक्ति की ओर से अपने धर्म को ही एकमात्र सच्चा बताना गलत है। इस तरह के दावे न केवल अन्य धर्मों के प्रति अपमान प्रदर्शित करते हैं।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में किसी भी व्यक्ति की ओर से अपने धर्म को ही एकमात्र सच्चा बताना गलत है। इस तरह के दावे न केवल अन्य धर्मों के प्रति अपमान प्रदर्शित करते हैं, बल्कि प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता(आईपीसी) की धारा 295ए (धार्मिक भावना आहत करने) के तहत अपराध की श्रेणी में भी आते हैं। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने रेवरेंड फादर विनीत विंसेंट परेरा की मुकदमे की कार्यवाही रद्द करने की अर्जी खारिज कर दी।मऊ निवासी याची पर मोहम्मदाबाद थाने में एफआईआर दर्ज है। आरोप है कि उन्होंने ईसाई धर्म को ही एकमात्र सत्य बता अन्य धर्मों, विशेषकर हिंदू की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई। पुलिस ने मामले में आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। याची ने ट्रायल कोर्ट में लंबित मुकदमे की पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दायर की।याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि उन्हें केवल परेशान करने के लिए झूठा फंसाया गया है। उनके कृत्यों से धारा 295ए का कोई अपराध नहीं बनता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मजिस्ट्रेट ने बिना पर्याप्त साक्ष्यों और न्यायिक विवेक के इस मामले का संज्ञान लिया है। राज्य सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि मामले में तथ्यों से जुड़े विवादित प्रश्न शामिल हैं, जिनका निस्तारण केवल साक्ष्यों के मूल्यांकन के माध्यम से ही संभव है। कोर्ट ने कहा कि आईपीसी की धारा-295ए विशेष रूप से उन 'जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण' से किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को अपमानित करने पर लागू होती है। मामले का संज्ञान लेने के चरण में ट्रायल कोर्ट को केवल यह देखना होता है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं, न कि साक्ष्यों की गहराई में जाकर परीक्षण करना।

संक्षिप्त समाचार

फरीदपुर में चुनावी सरगर्मी तेज

दीपेश भारती ने जनसंपर्क में उठाए बेरोजगारी, महंगाई और गैस संकट के मुद्दे

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल लगातार गर्माता जा रहा है। इसी क्रम में ऑल इंडिया

मुस्लिम मजलिस पार्टी के प्रत्याशी दीपेश भारती ने अपने जनसंपर्क अभियान को तेज करते हुए क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया और जनता से सीधा संवाद कर समर्थन मांगा।दीपेश भारती ने मुरारपुर, गुलड़िया, पहू नगला, उधरनपुर, वीरमपुर, विधौली और भुड़िया सहित कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। जनसंपर्क के दौरान उनके साथ पार्टी के जिला अध्यक्ष अतीक करम इदरीसी और मंडल अध्यक्ष मुख्तार अहमद भी मौजूद रहे। जनता से सीधे संवाद, मुद्दों पर फोकस-जनसभाओं और बैठकों को संबोधित करते हुए दीपेश भारती ने कहा कि आज बेरोजगारी और महंगाई आम जनता के लिए सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और बढ़ती कीमतों ने घर का बजट बिगाड़ दिया है। उन्होंने रसोई गैस की किल्लत को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। जिला अध्यक्ष अतीक करम इदरीसी ने कहा कि महंगाई से आम आदमी त्रस्त है, लेकिन सरकार इन समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। वहीं मंडल अध्यक्ष मुख्तार अहमद ने गैस संकट, बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों पर तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की। जनसंपर्क अभियान के दौरान गांवों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने दीपेश भारती का स्वागत किया और उन्हें समर्थन देने का भरोसा भी जताया।

इको और अज्ञात वाहन में जोरदार टक्कर, पांच साल के बच्चे की मौके पर मौत; सात लोग घायल

पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल जहांगीराबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पुलिस ने मृतक मासूम केशव के शव का पंचनामा भरा। शव को जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी भेजा गया। इस दर्दनाक हादसे से केशव के परिवार में गहरा मातम छा गया है। यूपी के बुलंदशहर स्थित जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। एक इको वाहन और अज्ञात वाहन की जोरदार भिड़ंत में पांच साल के मासूम केशव की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में सात अन्य लोग घायल हो गए हैं।परिवार में छाया मातम

पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल जहांगीराबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पुलिस ने मृतक मासूम केशव के शव का पंचनामा भरा। शव को जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी भेजा गया। इस दर्दनाक हादसे से केशव के परिवार में गहरा मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने भी हादसे के बाद बचाव कार्य में मदद की। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस की कार्रवाई और परिजनों का हाल- पुलिस ने दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को जहांगीराबाद सीएचसी पहुंचाया। मासूम केशव के शव का पंचनामा भरकर मोर्चरी में रखवाया गया है। इस हृदय विदारक घटना से केशव के परिवार में गहरा मातम पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे सदमे में हैं। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान में जुटी है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

मझोला में सड़क निर्माण की समस्या का समाधान, व्यापारियों ने जताया आभार

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत। मझोला-अमरिया मार्ग पर सड़क निर्माण के दौरान उत्पन्न समस्याओं को लेकर व्यापारियों की शिकायत पर अब समाधान हो गया है। मा. राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के विशेष संज्ञान और लोक निर्माण विभाग (PWD) की तत्परता से नगरवासियों और व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। गौरतलब है कि विगत दिनों मझोला-अमरिया मार्ग के व्यापारियों का एक शिष्टमंडल मझोला स्थित जनसहयोग कार्यालय पहुंचा था, जहां उन्होंने जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल से भेंट कर अपनी समस्या रखी। व्यापारियों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण कार्य मझोला से शुरू न कर दियूनीडाम की ओर से प्रारंभ किया गया, जिससे नगर क्षेत्र में सड़क पूरी तरह खोद दी गई थी। इसके चलते पूरे दिन धूल-मिट्टी उड़ने से दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को सांस व फेफड़ों संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, वहीं ग्राहकों को भी भारी दिक्कतें हो रही थीं।

शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे धीरेंद्र गुप्ता ने इस समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। इस पर जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने तत्काल अधिशासी अभियंता राजेश चौधरी से दूरभाष पर वार्ता कर स्थिति से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को समझते हुए अधिशासी अभियंता ने मझोला से गिधौर के बीच के हिस्से का निर्माण पहले कराने का आश्वासन दिया, जिससे नगर के व्यापारियों और आमजन को राहत मिल सकी। समस्या के समाधान के बाद व्यापारियों में खुशी का माहौल है। उन्होंने मा. राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार एवं अधिशासी अभियंता राजेश चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। शिष्टमंडल में गुरुमुख सिंह, सोनपाल सिंह, जसपाल सिंह, अमरीक सिंह, माजिद अहमद, भोलेनाथ सिंह, ऋषभ अग्रवाल, सनी सुमन, राकेश गर्ग सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

थाना करैरा पुलिस द्वारा चोरी के अपराध क्रमांक 25/26 मे चोरी गये 31 मोवाइल फोन कीमती 3 लाख 30 हजार रू0 बरामद कर वाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया।

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी- दिनांक 11.01.2026 को फरियादी नीरज गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता उम्र 45 साल निवासी देवनगर करैरा ने थाना आकर रिपोर्ट किया, कि वह कच्ची गली गोलम्वर के पास श्रीराम मोवाईल की दुकान चलाता है। दिनांक 10.01.26 की रात्रि करीवन 09 वजे वह अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था दिनांक 11.01.2026 को सुवह फरियादी दुकान खोलने के लिये गया तो देखा कि उसकी दुकान की शटर के दोनो तरफ के ताले टूटे हुऐ थे एवं दुकान के अंदर रखे स्मार्ट फोन, सीसीटीव्ही कैमरे, डीवीआर आदि सामान नही था।

रात्रि मे किसी अज्ञात चोर द्वारा दुकान के ताले तोड कर चोरी कर ले गया है रिपोर्ट पर से अप0क्र. 25/26 धारा 331(4),305 (ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के द्वारा जिले में अपराधियों के विरूद्ध शख्त कार्यवाही कर जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये हैं उक्त निर्देश के पालन में अति0 पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एस.डी.ओ.पी. ड़ॉ आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में थाना करैरा पुलिस को दिनांक 27/03/26 को जरिये मुखविर सूचना प्राप्त हुई

कि एक नई उम्र का लडका सिल्लारपुर चौराह पर चोरी का मोवाईल बेचने के लिये खडा है सूचना की तस्दीक हेतु मुखविर के बताये स्थान सिल्लारपुर चौराह पहुंचे तो बताये हुलिये का एक नई उम्र का लडका खडा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे अभिरक्षा में लेकर उसकी जामा तलाशी ली तो पैंट की दाहिनी जेव से एक रेडमी कंपनी का मोवाईल मिला पूछताछ करने पर बाल अपचारी द्वारा कच्ची गली गोलम्वर के पास बनी श्रीराम मोवाईल की दुकान से चोरी करना बताया सख्ती से पूछताछ करने पर बाल अपचारी द्वारा कुल 31 मोवाईल फोन कीमती लगभग 03 लाख 30 हजार रूपये चोरी कर जुझाई नर्सरी में छुपाकर रखना बताया जिन्हे बालअपचारी के कब्जे से विधिवत जप्त किया गया है। वाल अपचारी से पूछताछ की जा रही है। जप्त मसरुका - 31 मोवाईल फोन कीमती 03 लाख 30 हजार रूपये।

सराहनीय भूमिका - थाना प्रभारी करैरा निरी0 श्री विनोद छावई, उप निरी राधेश्याम शिवहरे, प्रआर. 891 डैनी कुमार, आर0 895 राधेश्याम जादौन, आर0 338 हरेन्द्र सिंह, आर 1165 मत्स्येन्द्र गुर्जर, आर 900 विकाश भाराद्वाज, आर. जितेन्द्र कुमार थाना करैरा जिला शिवपुरी की मुख्य भूमिका रही है।

अचानक एक दीवार ढह जाने से दो मासूम बच्चियां मलबे में दबकर घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फरूखाबाद उत्तर प्रदेश फर्रुखाबाद- फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसा होते-होते टल गया। यहाँ के पुलमंडी इलाके में अचानक एक दीवार ढह जाने से दो मासूम बच्चियां मलबे में दबकर घायल हो गईं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को मलबे से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उनका इलाज जारी है।मलबे में दबीं सिमरन और आस्था- प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना पुलमंडी मोहल्ले की है। गुरुवार शाम मोहल्ले के ही निवासी राजेश की 10 वर्षीय बेटी सिमरन और 7 वर्षीय आस्था उस दीवार के पास मौजूद थीं, तभी वह भरभरा कर गिर पड़ी। बच्चियों के मलबे में दबते ही चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग तुरंत दौड़े और आनन-फानन में ईंटों का मलबा हटाकर दोनों बच्चों को बाहर निकाला। इसके बाद परिजनों ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल (लोहिया अस्पताल) पहुँचाया। डॉक्टरों ने कहा- स्थिति में है सुधार- लोहिया अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि सिमरन को उसके पिता और आस्था को उसकी बहन द्वारा इमरजेंसी वार्ड में लाया गया था। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों बच्चों को बेहतर देखभाल के लिए पीडियाट्रिक (बाल रोग) वार्ड में भर्ती कर लिया गया है। डॉक्टरों के अनुसार अब दोनों की स्थिति में सुधार है। हादसे के समय क्या कर रही थीं बच्चियां?-हादसे के वक्त बच्चियां क्या कर रही थीं, इस पर परिजनों और बच्चों के अलग-अलग बयान सामने आए हैं- परिजनों का कहना है- दोनों बच्चे वहां खेल रहे थे और अचानक दीवार की चपेट में आ गए। सिमरन का बयान- वह अपने पिता को कुछ सामान देने जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। आस्था का बयान- वे लोग घर की तरफ जा रहे थे और अचानक दीवार उन पर गिर गई। पुलिस ने लिया संज्ञान दीवार गिरने और बच्चों के घायल होने की सूचना मिलते ही फतेहगढ़ कोतवाली प्रभारी रणविजय सिंह भी लोहिया अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल बच्चों और उनके परिजनों से घटना के संबंध में पूरी जानकारी ली।

फिल्मी अंदाज में पकड़ा गया ट्रेन का लुटेरा!

बैग छीनकर भागा था, कुछ देर बाद उसी ट्रेन में चढ़ा और सहयात्रियों ने दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद- फर्रुखाबाद-कासगंज रेल मार्ग पर चोरी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शुकरुल्लापुर रेलवे स्टेशन पर एक युवती का बैग छीनकर भागने वाला आरोपी कुछ ही देर बाद उसी ट्रेन में दोबारा चढ़ते समय पकड़ा गया। पीड़ित युवती की सतर्कता और सहयात्रियों की मदद से आरोपी को दबोच लिया गया, जिसके बाद उसे जीआरपी (GRP) के हवाले कर दिया गया।

कैसे घटी घटना? प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के बेवर रोड की रहने वाली वरिशा अपनी दादी के साथ फर्रुखाबाद स्टेशन से कासगंज जाने के लिए ट्रेन में सवार हुई थीं। सफर के दौरान जब उनकी ट्रेन शुकरुल्लापुर स्टेशन पर पहुंची, तभी एक अज्ञात युवक मौका

पाकर अचानक उनका बैग छीनकर फरार हो गया। सूझबूझ से रची गई पकड़ने की रणनीति- घटना के बाद ट्रेन रुदायन स्टेशन पर रुकी, जहां वरिशा और उनकी दादी ट्रेन से उतर गईं। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और दूसरी ट्रेन पकड़कर वापस शुकरुल्लापुर स्टेशन की ओर लौटने का फैसला किया। इसी बीच एक बड़ा इत्तेफाक हुआ; बैग छीनने वाला वही शातिर युवक दोबारा उसी ट्रेन में चढ़ता हुआ दिखाई दिया जिसमें वरिशा मौजूद थीं। यात्रियों ने की मदद, सामान हुआ बरामद- आरोपी को देखते ही वरिशा ने उसे तुरंत पहचान लिया और शोर मचा दिया। युवती का शोर सुनकर ट्रेन में मौजूद अन्य यात्रियों ने फुर्ती दिखाते हुए युवक को घेरकर पकड़ लिया। जब आरोपी की तलाशी ली गई, तो उसके पास से वरिशा की सोने की जंजीर सहित बैग का अन्य सामान भी बरामद हो गया। घटना के बाद युवती ने जीआरपी थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत (तहरीर) दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

धूमनगंज थाने को अदालत में बदलने के मामले में नाराज कोर्ट ने दो पुलिस निरीक्षकों को तलब किया

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धूमनगंज थाने को दीवानी अदालत में बदलने के मामले में नाराजगी जताते हुए दो पुलिस निरीक्षकों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर, न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने संजय कुमार अग्रवाल और एक अन्य की याचिका पर दिया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धूमनगंज थाने को दीवानी अदालत में बदलने के मामले में नाराजगी जताते हुए दो पुलिस निरीक्षकों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर, न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने संजय कुमार अग्रवाल और एक अन्य की याचिका पर दिया है।कोर्ट ने कहा कि यह मामला मूलरूप से एक नागरिक विवाद है, जिसमें उधार दिए गए पैसे वापस नहीं किए गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में न तो प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है और न ही जांच की जा सकती है।कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि धूमनगंज थाना एक सिविल कोर्ट में तब्दील हो गया था, जहां दो तत्कालीन थाना प्रभारियों वैभव सिंह और अमरनाथ राय ने पैसे की वसूली से जुड़े विवाद में हस्तक्षेप किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने इस विवाद के निपटारे के नाम पर शिकायतकर्ता के साथ मारपीट की। उसके सुरक्षा चेक भी छीन लिए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने दोनों पुलिस अधिकारियों को प्रतिवादी के रूप में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पुलिस आयुक्त प्रयागराज को निर्देशित किया है कि वे इन दोनों निरीक्षकों की 31 मार्च को दोपहर 2-00 बजे अदालत में व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करें। साथ ही पुलिस को आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ता संजय अग्रवाल और आयुष अग्रवाल को धूमनगंज थाने में दर्ज संबंधित केस में गिरफ्तार न किया जाए। 26 साल बाद दर्ज एफआईआर में नूतन ठाकुर को अग्रिम जमानत- लाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की पत्नी नूतन ठाकुर के खिलाफ 26 साल पुराने मामले में दर्ज एफआईआर में अग्रिम जमानत दे दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिंहा की एकल पीठ ने नूतन ठाकुर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। नूतन ठाकुर के खिलाफ देवरिया के कोतवाली थाने में धोखाधड़ी व जालसाजी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। 2025 में दर्ज एफआईआर के अनुसार 1999 में एक औद्योगिक भूखंड के आवंटन में नाम और पति के नाम में कथित हेरफेर की गई। अभियोजन की ओर से दलील दी गई कि आवंटन के समय नूतन ठाकुर ने अपना नाम नूतन देवी और पति का नाम अजिताभ ठाकुर दर्शाया। जबकि, बाद में भूखंड के हस्तांतरण में सही नामों का प्रयोग किया गया, जिससे धोखाधड़ी का संकेत मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष चरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी- शिवपुरी। सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न चरणों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 30 मार्च 2026 तक वंदे मातरम विशेष चरण कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वंदे मातरम के इतिहास, भाव एवं राष्ट्रीय चेतना को जन-जन तक पहुंचाना है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा उक्त विशेष चरण कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शिवपुरी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समन्वय के लिए जिला शिक्षा अधिकारी, जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के सचिव तथा जिला शिक्षा केन्द्र शिवपुरी के जिला परियोजना समन्वयक को सहायक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एलवाई डिग्री कॉलेज के पास एक दो से ढाई साल का बच्चा अकेला रोता हुआ मिला

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद- कायमगंज में को स्टेशन रोड स्थित एलवाई डिग्री कॉलेज के पास एक दो से ढाई साल का बच्चा अकेला रोता हुआ मिला। काफी देर तक कोई परिजन न मिलने पर राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बच्चे को सुरक्षित कायमगंज कोतवाली पहुंचाया।

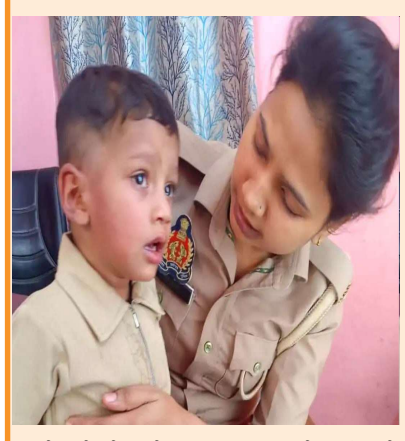

कॉलेज के पास बच्चे को रोता देख भीड़ जमा हो गई। लोगों ने बच्चे से उसका नाम और परिजनों के बारे में पूछने का प्रयास किया, लेकिन बच्चा डरा हुआ था और कुछ भी बता पाने में असमर्थ रहा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने बच्चे को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। कायमगंज कोतवाली में तैनात महिला कांस्टेबल फिलहाल बच्चे की देखभाल कर रही हैं। पुलिस ने बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उसे अपने संरक्षण में ले लिया है और उसे सहज करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने बच्चे की फोटो तत्काल सोशल मीडिया के विभिन्न ग्रुप्स और प्लेटफॉर्म पर साझा कर दी है। पुलिस का अनुमान है कि बच्चा आसपास के क्षेत्र का हो सकता है या किसी मुसाफिर का जो रास्ता भटक गया हो। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को भी इस बच्चे या इसके परिवार के संबंध में कोई जानकारी मिले, तो वह तुरंत कोतवाली कायमगंज को सूचित करे। पुलिस परिजनों की तलाश में जुटी है।

लोडर से कुचलकर बुजुर्ग की मौत, गुस्साई भीड़ ने चालक और भाई को उतारा मौत के घाट, गांव में पीएसी तैनात

हरदोई के सुरसा में लोडर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत के बाद ग्रामीणों ने चालक और उसके भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी। गांव में भारी पुलिस बल तैनात है और आरोपियों की तलाश जारी है।हरदोई जिले में सुरसा थाना क्षेत्र के ढोलिया गांव में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। इससे गुस्साए बुजुर्ग के परिजन और ग्रामीणों ने गांव निवासी ही लोडर चालक और उसके भाई को पीट दिया। इसमें चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि भाई को मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित कर दिया गया।तीन मौतों की खबर से सनसनी फैल गई। पुलिस अधिकारी मौके पर हैं। फॉरेंसिक टीम ने नमूना जुटाए हैं। गांव में स्थिति तनावपूर्ण देखते हुए पीएसी तैनात की गई है। ढोलिया गांव निवासी शिवम (30) शुक्रवार की शाम करीब 4.42 बजे लोडर से गांव के ही प्राइमरी स्कूल के पास से जा रहे थे।लाठी-डंडों से दोनों पर हमला कर दिया- तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर गांव निवासी देव सहाय पांडे (70) की कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से मृतक के परिजन और ग्रामीण आक्रोशित और हिसांत्मक हो गए। इन लोगों ने लाठी-डंडों से लोडर चालक शिवम और उसके भाई अमन (18) पर हमला कर दिया। एक की मौके पर मौत, दूसरे की हालत गंभीर-हमले में शिवम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अमन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरसा लाया गया और हालत नाजुक होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने अमन को मृत घोषित कर दिया।आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश- तीन मौतों की जानकारी पर एसपी एके मीणा, एएसपी एमपी सिंह, सीओ सिटी अंकित मिश्रा और थाना प्रभारी सुरसा सहित कई थानों की पुलिस फोर्स ढोलिया पहुंच गई। एसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

What are the disadvantages of drinking turmeric milk? Find out if this is the cause of your problems.

You've often heard that drinking turmeric milk relieves physical problems. But did you know that drinking it can also worsen your problems? Here, we'll provide you with information on this. Turmeric milk, often called "golden milk," is very popular in Indian households for protection against winter and illness. Drinking it boosts immunity, reduces inflammation, and improves sleep. However, the claim that it's not safe for everyone is not true. Some people may experience various health problems after drinking it. Therefore, it's important to exercise caution before drinking it. In this article, we'll explain the benefits of turmeric milk and the risks it can pose. First, learn about the benefits of drinking turmeric milk: Boosts Immunity: Curcumin, found in turmeric, is a powerful antioxidant and antibacterial compound. It helps the body fight infections and strengthens the immune system. It is considered especially beneficial for preventing colds and coughs during changing seasons. Relief from Colds and Coughs - Turmeric milk provides relief from sore throats, coughs, and colds. Its warming effect loosens mucus and soothes the throat. Reduces Inflammation - Turmeric's anti-inflammatory properties help reduce swelling, joint pain, and muscle stiffness. Consuming it after an injury or workout can speed recovery. Now, learn who should avoid this turmeric milk: Those with digestive problems: If you frequently experience gas, acidity, indigestion, or a loose stomach, turmeric milk may worsen your problems. The warming effect of turmeric and the heavy nature of milk can affect digestion. For those taking blood-thinning medications, turmeric acts as a blood thinner. If you're already taking blood-thinning medications, consuming turmeric milk may increase the risk of bleeding. Diabetics - Turmeric can lower blood sugar. If you're taking diabetes medication, its effect may be exaggerated and blood sugar levels may drop too low.

Kidney Stone Patients - People with kidney stone problems should avoid consuming too much turmeric. This is because it contains oxalate, which can increase the risk of stone formation. Pregnant Women - Consuming turmeric in large quantities during pregnancy is not considered safe. It can cause hormonal changes, so avoid consuming it without consulting a doctor. Remember this: Turmeric milk is beneficial for health, but not for everyone. If you're suffering from a medical condition or taking regular medication, consult a doctor before including it in your diet.

When should an RO filter be replaced? Learn how to determine filter life.

People often install RO filters at home, but don't replace them on time. Many people wonder how to determine if their RO filter is damaged. Let's find out the answer. Nowadays, most households use RO filters for clean drinking water. However, the quality of clean water from an RO purifier depends on the health of its filters. People often change the filter when the machine produces contaminated water or stops producing water altogether. RO water should always be within the recommended standard. Excessive RO water can be harmful to health. Experts suggest that sediment and carbon filters should be replaced every 6 to 12 months, while the RO membrane can last up to 2 years. However, this time depends on the TDS level of the water in your area. According to health standards, contaminated filters not only contaminate the water but also increase the risk of bacterial growth. Therefore, don't wait for the machine to stop working completely; instead, recognize small changes in the taste and color of the water and have the filter replaced promptly. Identify the condition of the filter by its taste and smell: If your water suddenly tastes bitter or metallic, the RO carbon filter has failed. Defective filters stop absorbing chlorine and organic impurities from the water, causing the water to develop a strange odor. If a mud-like smell appears when drinking water, it indicates a complete blockage of the sediment filter. Even a slight change in taste can affect your digestive system, so don't ignore it. Pay attention to the speed of the water and the sound of the machine: If your RO tank is taking longer to fill than usual, this could be a major sign of the end of its filter life. When the filter becomes clogged with debris, water pressure decreases, putting pressure on the pump, causing a loud humming sound. Some smart RO models now include a filter change indicator, so you can change the filter based on that indicator. Regularly checking the TDS level is essential. A portable TDS meter can help you check the purity of your water at home. If the TDS level of your RO water suddenly increases, it likely means the RO membrane is ruptured or worn out. The ideal TDS level for drinking water should be between 50 and 150 mg/L. If it exceeds 250, replace the membrane immediately. Remember, the membrane is the component that removes harmful chemicals like arsenic and fluoride from the water. Timely servicing is essential for good health. Replacing the RO filter on time is not just about machine maintenance, but crucial for your family's health. Given the increasing level of water pollution these days, it's a good practice to clean or replace the pre-filter (outer candle) every 3 months. Always use original filters from reputable brands, as cheap local filters may not purify the water completely.

Suddenly getting a high electricity bill? Instead of worrying, complain immediately.

If your electricity meter is showing incorrect readings and your electricity bill is incorrect, you can complain and get it rectified. There are many things around us that, if they are not there, can make life feel incomplete. One of these is electricity. Indeed, if we say that life is incomplete without electricity, then there would be no doubt about it. Electricity is the key to many of our tasks. We receive a bill for the amount of electricity we use each month. For this purpose, electricity meters are installed in homes, shops, offices, and other places, and readings are taken from them to issue a monthly bill. However, sometimes people receive high bills, which causes problems. Let's find out where you can complain in such a situation. Why do electricity bills seem to be incorrect? When the biller notes the meter reading incorrectly; if the bill is sent based on an estimated reading rather than a noted reading, the electricity bill can be incorrect even if the meter is faulty. Sometimes, the bill can be high due to an outstanding old bill. The bill can also be incorrect due to technical problems, etc. Where to complain if the bill is high? If your electricity bill is high or you feel that you haven't used as much electricity as the bill indicates, you can file a complaint online. You can register your complaint by visiting the company's app or website. You can also contact your electricity department's customer care service. Here, you need to provide information such as your name and connection number. After this, your complaint is registered and processed. If you wish, you can go to your nearest electricity department office and lodge your complaint. You can submit your complaint in writing here. After this, your problem can be resolved by checking your meter and reading.

How many years did the casting for both parts of 'Dhurandhar' last? Mukesh Chhabra reveals; the director supported us like this.

'Dhurandhar 2' casting director Mukesh Chhabra has revealed how long the casting process lasted and how many actors were auditioned. The cast and crew are delighted with the success

of 'Dhurandhar 2'. Recently, casting important details about the casting of took to assemble such a large cast. about the casting of 'Dhurandhar 2', actors were auditioned for the film. conversation with HT, Mukesh said, for just a minute, we worked of my life, in which eight assistants became easy - Initially, few weeks before release, it was split of approximately eight hours each. challenge. But Aditya's input made it engagement - According to Chhabra, characters shows that the casting was Atiq Ahmed, or where Babu Dacoit with the audience." Star cast of spy stationed in Pakistan in Arjun Rampal, Akshaye Khanna,

director Mukesh Chhabra revealed several 'Dhurandhar 2'. He explained how much effort it How long did the casting process last? Speaking Mukesh Chhabra said that approximately 300 This casting process lasted for two years. In a "From the main roles to the characters who appear meticulously on everything." These were two years worked day and night. Visualizing the character "Dhurandhar" was planned as a single film, but a into two parts. Thus, it became a series of two films Chhabra said, "Casting for each character was a easier to visualize each character." Audience the audience's connection with the minor right. He said, "People are discussing who played came from. This means that we have connected "Dhurandhar 2" - Ranveer Singh plays an Indian "Dhurandhar 2." He also stars R. Madhavan, Sanjay Dutt, and Rakesh Bedi. "Dhurandhar 2" is currently running in theaters. As of this writing, it has collected over ?587 crore at the box office.

'Pinda' couldn't sleep for three nights, Udaybir Sandhu reveals the story behind an intense scene in 'Dhurandhar 2'

The film 'Dhurandhar The Revenge' has become a topic of discussion on social media. Actor Udaybir Sandhu plays the character of Pinda in the movie. Now, he has spoken openly about

his intense scene. Udaybir friend 'Pinda' in 'Dhurandhar shared his experience during the bathroom scene was quite character of Pinda in the film an interesting experience from bathroom scene in the film was consecutive nights. Speaking to said that this bathroom scene "We had already shot the The real challenge was this character of Pinda." Aditya that after the scene, he asked Aditya Dhar replied, "You don't Udaybir realized that his work the shooting of this scene lasted it. He said, "I was nervous the the next day. My character also helpful in a way." But even after About "Dhurandhar 2" - was released on March 19th.

Sandhu, who played Jaskirat Singh Rangi's 2', has spoken openly about his scene. He bathroom fight scene with Hamza. The challenging. Udaybir Sandhu, who played the 'Dhurandhar The Revenge', recently shared the shooting. He revealed that a particular so intense that he couldn't sleep for three Faridoon Shahryar in an interview, Udaybir was crucial for his character. He explained, airport and car scenes, but they were normal. bathroom scene, which fully reveals the Dhar praised the scene. He further explained director Aditya Dhar if everything was alright. even know what you've done." Hearing this, was quite effective. Udaybir also revealed that three days, and he couldn't sleep at all during first night because a big scene was to be shot had to appear a little 'zoned out,' which was that, I couldn't sleep for the next two days." Directed by Aditya Dhar, "Dhurandhar 2" Starring Ranveer Singh along with Arjun Rampal, Sanjay Dutt, R Madhavan and others, this film is the second part of "Dhurandhar." Since its release, the film has been earning well. As of the time of writing this news, it has collected over ?587 crore in India.

New release date for 'Chand Mera Dil' revealed, no longer clashing with 'Bhoot Bangla'

The release date of the upcoming film 'Chand Mera Dil' has been postponed. It was scheduled to clash with 'Bhoot Bangla' on April 10th. The film's new release date has been announced.

The release date of the upcoming film 'Chand Mera Dil', starring Lakshya and Ananya Panday, has been postponed. The film was originally scheduled for April 10th, 2026. Priyadarshan's film 'Bhoot Bangla', starring Akshay Kumar, is also releasing on the same date. This would have led to a box office clash. However, the makers changed the release date to May 8th. Now, it has been postponed again. The makers have announced a new release date. When will 'Chand Mera Dil' release? The film's makers have confirmed that 'Chand Mera Dil' will be released in theaters on May 22nd, 2026. Directed by Vivek Soni. It has been produced under Karan Johar's Dharma Productions banner. Ananya and Lakshya will be seen together for the first time - After his success in 'Kill' and 'The Baddies of Bollywood', Lakshya is returning to the big screen opposite Ananya Panday in the lead role. Ananya also received a lot of praise for her role in 'Kesari Chapter 2'. The two will be seen together for the first time. Karan Johar had announced - In 2024, Karan Johar shared the poster of the film. His post read, "We have two 'Chands' who are bringing an intense and passionate love story like never before! Love requires a little madness... 'Chand Mera Dil' stars Ananya Panday and Lakshya in the lead roles. Directed by Vivek Soni. Coming to theatres in 2025."